PRYERS/HYMNS/PREAMBLE

- वन्दे मातरम।।
- राष्ट्र गान
- **Preamble of the Indian constitution.**
- **Daily Prayers**
- **School Song**
- **Songs For School Assembly**

Note:-1. Without violation must be conduct all mention point in daily assembly or payer.

2. insure all mentioned point displaying on our website.

Scanned with OKEN Scanner

India is my country and all Indians are my brothers and sisters. I love my country and I am proud of its rich and varied heritage. I shall always strive to be worthy of it. I shall give respect to my parents, teachers and elders and treat everyone with courtesy. To my country and my people, I pledge my devotion. In their well being and prosperity alone, lies my happiness.

Scanned with OKEN Scanner

छात्र प्रतिज्ञा /Pledge in Hindi

भारत हमारा देश है। हम सब भारतवासी भाई-बहन हैं। हमें अपना देश प्राणों से भी प्यारा है। इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर हमें गर्व है। हम इसके सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयन्त सदा करते रहेंगे। हम अपने माता-पिता, शिक्षकों और गुरुजनों का आदर करेंगे और सबके साथ शिष्ठता का व्यवहार करेंगे। हम अपने देश और देशवासियों के प्रति वफ़ादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं। उनके कल्याण और समृद्धि में ही हमारा सुख निहित है। जय हिन्द।

Scanned with OKEN Scanner

THE CONSTITUTION OF INDIA

PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a [3][SOVEREIGN SOCIALIST SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC and to secure to all its citizens:

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity;

and to promote among them all

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the [4][unity and integrity of the Nation;

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty-sixth day of November, 1949, do HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.

---

[3] Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 2, for "SOVEREIGN DEMOCRAIC REPUBLIC" (w.e.f. 3-1-1977).

[4] Subs. by s. 2., ibid., for "unity of the Nation" (w.e.f. 3-1-1977).

Scanned with OKEN Scanner

All things bright and beautiful,
All creatures great and small,
All things wise and wonderful:
The Lord God made them all.

Each little flower that opens,
Each little bird that sings,
He made their glowing colors,
He made their tiny wings.

The purple headed mountains,
The river running by,
The sunset and the morning
That brightens up the sky.

The cold wind in the winter,
The pleasant summer sun,
The ripe fruits in the garden,
He made them every one.

He gave us eyes to see them,
And lips that we might tell
How great is God Almighty,
Who has made all things well.

Scanned with OKEN Scanner

GOD'S LOVE IS SO WONDERFUL

God's Love is so wonderful
God's love is so wonderful
God's Love is so wonderful
O wonderful love.

So high, you can't get over it.
So deep, you can't get under it.
So wide, you can't get around it.
O wonderful love.

Scanned with OKEN Scanner

Set I

वंदे मातरम्

वंदे मातरम् वंदे मातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
शस्य श्यामला मातरम् वंदे मातरम्
शुभ्र ज्योत्सना पुलकित यामिनी
फुल्य कुसुमित द्रुमदल शोभिनीं
सुहासिनीं सुमधुर भाषिनीं
सुखदां वरदां मातरम् वंदे मातरम्

आलोकित पथ करो हमारा हे जग के अंतर्यामी
शुभ्र प्रकाश दो स्वच्छ दृष्टि दो जड़ चेतन सबके स्वामी
तुच्छ हमारे मन के हे दाता दुर्विचार सब दूर करो
प्रेरित हों हम केवल तुमसे ऐसी हममें शक्ति भरो
हमको विधाता ऐसी बुद्धि दो जात पात सब दूर करो
बढ़े राष्ट्र उत्थान प्रेरणा जागे हर जन मानस में
आलोकित पथ करो हमारा हे जग के अंतर्यामी

हम होंगे कामयाब हम होंगे कामयाब एक दिन
मन में है विश्वास पूरा है विश्वास हम होंगे कामयाब एक दिन
होगी शांति चारो ओर होगी शांति चारो ओर होगी शांति चारो ओर
एक दिन ओ ..... मन में है विश्वास पूरा है विश्वास हम होंगे
कामयाब एक दिन
हम चलेंगें साथ-साथ डाल हाथों में हाथ हम चलेंगें साथ-साथ
एक दिन ओ ..... पूरा है विश्वास हम होंगे कामयाब एक दिन
नहीं डर किसी का आज नहीं भय किसी का आज एक दिन
मन में है विश्वास पूरा है विश्वास हम होंगे कामयाब एक दिन

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

जन गण मन अधिनायक जय है भारत भाग्य विधाता
पंजाब सिंध गुजरात मराठा, द्रविड़ उत्कल बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे तव शुभ आशीष मांगे
गाहे तव जय गाथा
जन गण मंगल दायक जय है भारत भाग्य विधाता
जये हे, जये हे, जये हे,
जय जय जय जय हे।

हम जवान देश के रुके नहीं झुके नहीं
काम कौन सा है जो कि हम से हो सके नहीं हम जवाँ हम जवाँ
याद है कुर्बानियाँ जो शहीद दे गए
कर चलो या मर चलो ये बात हम से कह गए
कह सकेंगें अब बुराईयाँ यहाँ कहीं नहीं हम जवाँ हम जवाँ
कर्म देश सेवा का हम इसे निभायेंगे
अपने देश राज्य को जहाँ में एक बनाएँगे
मन्त्र प्रजातन्त्र का सुनायेंगे सभी यही हम जवाँ हम जवाँ
जिन्दगी है देश की देश ये हमारा है
स्वतन्त्रता अमर रहे यही हमारा नारा है
काम चाहते थे जो भी कर चलेंगें हम वही हम जवाँ हम जवाँ

Set II

वंदे मातरम्

हमको मन की शक्ति देना मन विजय करें
दूसरो की जय से पहले खुद की जय करें
भेदभाव अपने दिल से साफ कर सकें

दोस्तों से भूल हो तो माफ कर सकें
झूठ से बचें रहें सच का दम भरें दूसरो की जय .....
मुश्किलें पड़े तो हम पे इतना कर्म कर
साथ दें तो धर्म का चलें तो धर्म पर
खुद पें हौसला रहे बदी से न डरें दूसरों की जय .....
हमको मन की शक्ति देना

देश हमें देता है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखें
सूरज हमें रोशनी देता हवा नया जीवन देती है
भूख मिटाने को हम सबकी धरती पर होती खेती है
औरों का भी हित हो जिसमें हम ऐसा कुछ करना सीखें
पथिकों को तपती दोपहर में पेड़ सदा देते हैं छाया
सुमन सुगंध सदा देते हैं, हम सबको फूलों की माला
त्यागी कर्मो के जीवन में हम ऐसा कुछ करना सीखें
जो अनपढ़ है उन्हें पढ़ाएँ जो चुप हैं उनको वाणी दें
जो पिछड़ें है उन्हें बढ़ाएँ प्यासी धरती को पानी दें
हम मेहनत के दीप जलाकर नया उजाला करना सीखे

राष्ट्रगान

कदम-कदम बढ़ाए जा खुशी के गीत गाए जा
ये जिन्दगी है कौम की तू कौम पे लुटाए जा
कदम-कदम बढ़ाए जा .....
तू शेर हिन्द आगे बढ़ मरने से पहले तू न डर
उड़ा दे दुश्मनों का सर जोश-ए वतन बढ़ाए जा
तेरी हिम्मत बढ़ती रहे, खुदा तेरी सुनता रहे

Scanned with OKEN Scanner

जो सामने पड़े तेरे, तू खाक में मिलाए जा
चलो दिल्ली पुकार के, अपना निशां संभाल के
लाल किले पे गाड़ के, लहराए जा, लहराए जा
कदम-कदम बढ़ाए जा .....

Set III

वंदे मातरम्

वह शक्ति हमें दो दयानिधे कर्तव्य मार्ग पर डट जाएँ
पर सेवा पर उपकार में हम निज जीवन सफल बना जाएँ
हम दीन दुखी निबलों विपलों के सेवक बन संताप हरें
जो हैं अटके भूले भटके उनको तारें खुद तर जाएँ
छल दंभ द्वेष पाखंड झूठ अन्याय से निशदिन दूर रहें
जीवन हो शुद्ध सरल अपना शुचि प्रेम सुधा नित बरसावें
निज आन मान मर्यादा का हमें ज्ञान रहे अभिमान रहे
जिस देश जाति में जन्म लिया बलिदान उसी पर हो जाएँ
वह शक्ति हमें दो दयानिधे कर्तव्य मार्ग पर डट जाएँ

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा, हमारा
हम बुलबुले हैं इसकी ये गुलिस्तां हमारा हमारा, सारे जहाँ से.....
पर्वत वो सबसे ऊंचा हमसाया आसमाँ का
वो संतरी हमारा वो पासवां हमारा सारे जहाँ से .....
गोदी में खेलती हैं जिसकी हजारों नदियाँ
गुलशन है जिनके दम से रशके जनां हमारा हमारा सारे जहाँ से
.....
मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना
हिन्दी हैं हम हिन्दी हैं हम हिन्दी हैं हम वतन हैं हिन्दोस्तां हमारा
सारे जहाँ से अच्छा .....

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रगान

निशां उठा कदम बढ़ा निशां उठा कदम बढ़ा निशां उठा कदम बढ़ा
निशां उठा कदम बढ़ा विजय के गीत गाएँगे
महेश्वरी के लाल हम निराली लौ जलाएँगे
निशां उठा कदम बढ़ा
भारत माँ की हैं शान हम इस देश की हैं आन हम
है रुप इसका मान हम ये मान हम बढ़ाएँगे
निशां उठा कदम बढ़ा
बनेंगें जग में दीप हम मोती है तो सीप हम
किरण के हैं समीप हम अंधेरे को मिटाएँगे
निशां उठा कदम बढ़ा

Set IV

वंदे मातरम्

इतनी शक्ति हमें देना दाता मन का विश्वास कमजोर होना
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना
दूर अज्ञान के हों अंधेरे तू हमें ज्ञान की रोशनी दे
हर बुराई से बचते रहें हम जितनी भी दे भली जिन्दगी दे
बैर हो ना किसी का किसी से भावना मन में बदले की हो ना
हम न सोचें हमें क्या मिला है हम ये सोचें किया क्या है अर्पण
फूल खुशियों के बांटे सभी को सबका जीवन ही बन जाए मधुबन
अपनी करूणा का जल तू बहा के कर दे पावन हर इक मन का कोना
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे भूलकर भी कोई भूल होना
इतनी शक्ति हमें देना दाता मन का विश्वास कमजोर हो ना

योगा म्यूजिक

वंदे मातरम्

Scanned with OKEN Scanner

हम बनें महान हम बनें महान हम बनें महान हम बनें महान हम बनें महान

वीर बनें धीर बनें वीर बनें धीर बनें बनें शीलवान शीलवान शीलवान
निर्भय और निडर बनें साथ ही सयाने बनें
सबके प्रिय मधुर बनें उच्च हृदय वाले बनें
तन से हम स्वस्थ बनें मन से विद्वान हम बने महान हम बनें महान
चित सदा हो निर्मल एकता हमारा बल
चाहते हैं हम कौशल सबका करके मंगल
सेवा व्रत धारण करें बने गुण निधान
हम बनें महान हम बनें महान
वीर बनें धीर बनें वीर बनें धीर बनें
बनें शीलवान शीलवान शीलवान शीलवान

Set V

वंदे मातरम्

हम हाथ जोड़ गुण गाते हैं, तुम्हें शीश झुकाते हैं
हे सृष्टि के दाता कर्ता तुम्हें शीश झुकाते हैं
दो विद्या का दान हमें भले बुरे का ज्ञान हमें
हम विनती यही सुनाते हैं तुम्हें शीश झुकाते हैं
हम हाथ जोड़ गुण गाते हैं.....
धीर वीर गम्भीर बनें हम विजयी से वीर बनें
हम कष्टों में मुस्काते हैं तुम्हें शीश झुकाते हैं
हम हाथ जोड़ गुण गाते हैं .....
काम देश के आएँ हम नाम अमर कर जाएँ हम
हम तुमसे चाहत पाते हैं तुम्हें शीश झुकाते हैं
हम हाथ जोड़ गुण गाते हैं .....

Scanned with OKEN Scanner

हम करें राष्ट्र आराधन हम करें राष्ट्र आराधन
तन से मन से धन से, तन मन धन जीवन से
हम करें राष्ट्र आराधन हम करें राष्ट्र आराधन
हम कर से मुख से चित्त से
निश्चल हो निर्मल मति से
श्रद्धा से मस्तक नत से
हम करें राष्ट्र अभिवादन हम करें राष्ट्र अभिवादन
हम करें राष्ट्र आराधन .....
अपने हसते शैशव से
अपने खिलते यौवन से
आद्यत: पूर्ण जीवन से
हम करें राष्ट्र का अर्चन हम करें राष्ट्र का अर्चन
हम करें राष्ट्र आराधन .....
अपने अतीत को पढ़कर
अपना इतिहास उलट कर
अपना कर्त्तव्य समझकर
हम करें राष्ट्र का चिंतन हम करें राष्ट्र का चिंतन
हम करें राष्ट्र आराधन हम करें राष्ट्र आराधन
तन से मन से धन से, तन मन धन जीवन से
हम करें राष्ट्र आराधन .....

हम सब भारतीय हैं हम सब भारतीय हैं
अपनी मंजिल एक है आहा एक है ओ हो एक है हम सब.....
कश्मीर की धरती रानी है सरताज हिमालय है
सदियों से हमने इसको अपने खून से पाला है
देश की रक्षा की खातिर हम शमशीर उठा लेंगें
बिखरे बिखरे तारे हैं हम एक झिलमिल एक है आहा एक है

Scanned with OKEN Scanner

हम सब भारतीय हैं .....
मंदिर गुरुद्वारे भी है यहाँ और मस्जिद भी है यहाँ
गिरजा का है घड़ियाल कहीं मुल्ला की कहीं है अजाँ
एक ही अपना राम है एक ही अल्ला ताला है
रंग बिरंगे हीरक है हम एक जगमग एक है अहा एक है
हम सब भारतीय हैं.....
अब सारी दुनिया में हम हो जंग न होने देंगे
अब हम मानव को ऐसी मौत की नींद न सोने देंगे
अमन ही अपनी पूँजी है अमन ही अपना नारा है
ऊँची नीची लहरें है हम एक सागर एक है आहा है
हम सब भारतीय हैं.....

Set VI

वंदे मातरम्

सदबुद्धि हमें दीजिए संसार के स्वामी
हम पे ये कर्म कीजिए संसार के स्वामी
मिट जाए मन के भेद भाव प्रेम से रहें
आपस के दुख विषाद मिल जुल के हम सहें
मन ऐसा निर्मल कीजिए संसार के स्वामी
कर्त्तव्य मार्ग पर चलें मेहनत से न डरें
पथ कांटो से भरा हौ पर हँस हँस के हम चलें
दिव्य शक्ति ऐसी दीजिए संसार के स्वामी
फूलों की तरह महकें हम चंदा से चमकें हम
सागर सा दिल विशाल हो सूरज से दमके हम
पर्वत सा अटल कीजिए संसार के स्वामी
सद बुद्धि हमें दीजिए संसार के स्वामी
हम पे ये कर्म कीजिए संसार के स्वामी

Scanned with OKEN Scanner

पी0 टी0 म्यूजिक

राष्ट्रगान

शांति गीत गाए जा कांति गीत गाए जा
कह रहा तिरंगा ऊँचा सर उठाए जा
सर उठाए जा उठाए जा उठाए जा
रंग धर्म जाति भेद भर रहे हैं जग में भेद
बंधनों को तोड़कर के एकता को लाए जा
सर उठाए जा.....
युद्ध की घटाएँ घनघोर छा रही हैं चारों ओर
शांति की हवाएँ बन बदलियाँ हटाए जा
सर उठाए जा.....
विश्व का भविष्य आज नौजवान तेरे हाथ
प्रेम के प्रकाश को विश्व में फैलाए जा
सर उठाए जा.....
शांति गीत गाए जा क्रांति गीत गाए जा.....

Scanned with OKEN Scanner